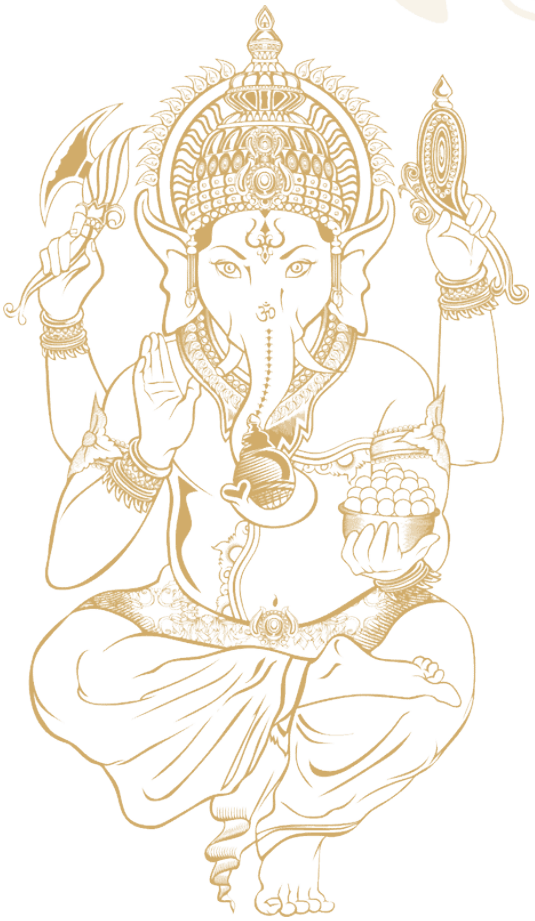

Mr.

23 Aug 2025

02:13 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120469607

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22-23/08/2025**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:13:00 घंटे**
इष्ट	50:47:16 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:51:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:54 घंटे
साम्पातिक काल	23:57:29 घंटे
सूर्योदय	05:54:05 घंटे
सूर्यास्त	18:53:18 घंटे
दिनमान	12:59:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:47:23 सिंह
लग्न के अंश	17:29:44 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	परिघ
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:29:44	316:37:18	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	05:47:23	00:57:50	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	01:03:40	13:06:20	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कन्या	15:48:29	00:38:23	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			कर्क	17:48:58	01:18:30	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	21:57:22	00:11:32	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	02:25:15	01:11:23	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	06:24:11	00:03:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:06:55	00:01:28	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:06:55	00:01:28	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:09:38	00:00:44	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:21:46	00:01:21	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	07:43:57	00:01:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मीन	05:06:04	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

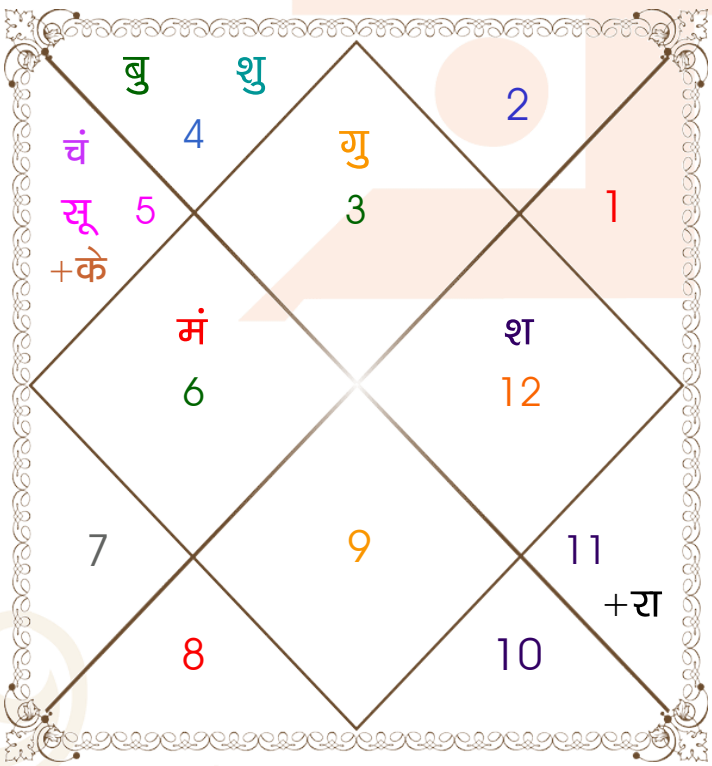

चन्द्र कुंडली

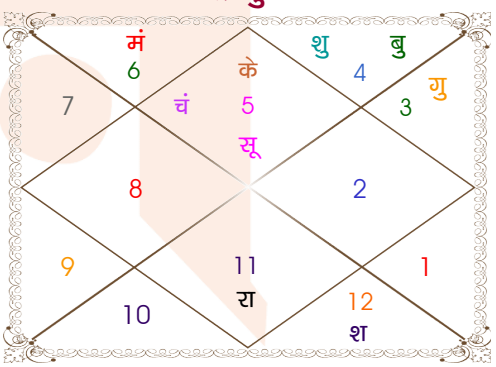

नवमांश कुंडली

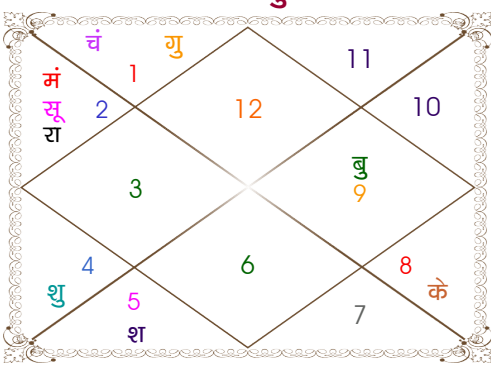

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 5 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/08/2025		01/02/2032		01/02/2052		31/01/2058		01/02/2068	
01/02/2032		01/02/2052		31/01/2058		01/02/2068		01/02/2075	
	23/08/2025	शुक्र	02/06/2035	सूर्य	20/05/2052	चंद्र	02/12/2058	मंगल	29/06/2068
शुक्र	29/08/2026	सूर्य	02/06/2036	चंद्र	19/11/2052	मंगल	03/07/2059	राहु	18/07/2069
सूर्य	04/01/2027	चंद्र	31/01/2038	मंगल	27/03/2053	राहु	01/01/2061	गुरु	23/06/2070
चंद्र	05/08/2027	मंगल	03/04/2039	राहु	19/02/2054	गुरु	03/05/2062	शनि	02/08/2071
मंगल	01/01/2028	राहु	02/04/2042	गुरु	08/12/2054	शनि	02/12/2063	बुध	29/07/2072
राहु	19/01/2029	गुरु	01/12/2044	शनि	20/11/2055	बुध	02/05/2065	केतु	26/12/2072
गुरु	26/12/2029	शनि	01/02/2048	बुध	25/09/2056	केतु	02/12/2065	शुक्र	25/02/2074
शनि	04/02/2031	बुध	02/12/2050	केतु	31/01/2057	शुक्र	02/08/2067	सूर्य	03/07/2074
बुध	01/02/2032	केतु	01/02/2052	शुक्र	31/01/2058	सूर्य	01/02/2068	चंद्र	01/02/2075

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/02/2075		31/01/2093		01/02/2109		02/02/2128		01/02/2145	
31/01/2093		01/02/2109		02/02/2128		01/02/2145		00/00/0000	
राहु	14/10/2077	गुरु	21/03/2095	शनि	05/02/2112	बुध	01/07/2130	केतु	30/06/2145
गुरु	08/03/2080	शनि	02/10/2097	बुध	15/10/2114	केतु	28/06/2131	शुक्र	24/08/2145
शनि	13/01/2083	बुध	08/01/2100	केतु	24/11/2115	शुक्र	28/04/2134		00/00/0000
बुध	02/08/2085	केतु	14/12/2100	शुक्र	23/01/2119	सूर्य	04/03/2135		00/00/0000
केतु	20/08/2086	शुक्र	15/08/2103	सूर्य	05/01/2120	चंद्र	03/08/2136		00/00/0000
शुक्र	20/08/2089	सूर्य	03/06/2104	चंद्र	06/08/2121	मंगल	31/07/2137		00/00/0000
सूर्य	15/07/2090	चंद्र	03/10/2105	मंगल	15/09/2122	राहु	17/02/2140		00/00/0000
चंद्र	14/01/2092	मंगल	09/09/2106	राहु	22/07/2125	गुरु	25/05/2142		00/00/0000
मंगल	31/01/2093	राहु	01/02/2109	गुरु	02/02/2128	शनि	01/02/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 5 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com